फरीदाबाद

मजदूर समाचार

अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 345 1/– मार्च 2017

इधर से उधर तक, उधर से इधर तक

हमारे यहाँ प्रोडक्शन के चक्कर में मैनेजमेन्ट सैन्सर हटा देती है।

यह तो बेहूदा हरकत है यार। यह तो क्रूरता है।

पावर प्रैसों पर हाथ कटने काफी कम हो गये थे। सैन्सर रोक लेते थे मशीन को। प्रोडक्शन के चक्कर में हाथ फिर कटने लगे हैं।

यह सैन्सर हटाने वाली बात काफी व्यापक है। प्रोडक्शन प्रैशर आया और यह हटा देते हैं।

बोलो तो बोलते हैं कि ध्यान से काम करो। इस क्रूर बुद्धिवालों को खूब समझ है कि मशीन की रफ्तार के सामने ध्यान कम पड़ता है।

यार , यह क्रूर बुद्धि बहुत व्यापक है। जीवन के उत्सव में बड़ी बाधक है।

यह तो तू ठीक कह रहा है। शायद जो रोना-धोना के रूप में हमारे सामने आता है वह इस क्रूर बुद्धि को दर्शाता है। लेकिन, यह शायद समझ नहीं पाता क्रूर बुद्धि के चालन-प्रचालन के तरीकों को।

आप तीनों को सुनते हुये मुझे लगा कि यह जो बुद्धि का एक रूप है इसको हम दैनिक देखते हैं लेकिन उसे हम जल्दी ही बातचीत में मूर्त, ठोस रूप दे देते हैं और व्यक्ति-विशेष के खण्डन में सीमित हो जाते हैं।

मूर्त रूप से आप क्या कहना चाहती हो ?

साधारण है। यह मैंनेजर खराब है, वह सुपरवाइजर क्रूर है , वह जनरल मैनेजर बदतमीज है आदि-आदि जोड़ते रहो।

यह तो आम रोना-धोना है। जीवन के उल्लास पर दबाव डालता है।

मुझे तो यह लगता है कि क्रूर बुद्धि से हमें अचम्भा होता है। एक समानता जो हम मान कर चलते हैं जीवन की, बुद्धि की, करूणा की , आनन्द की , रचना की क्षमता की उस पर यह बार-बार चोट करती है।

आप जो कह रही हो उससे मैं जो समझ रहा हूँ वह यह है कि रोना-धोना तो सतह पर है।

हाँ, यह ठीक कह रही हैं। सतह पे जो है उसकी निकटता से उसमें कई बार गुम हो जाते हैं।

सतह के नीचे बुद्धियों की टकराव है।

हाँ , इस टकराव को हम सब महसूस करते हैं जब चलते-फिरते ग्रुपों में क्रूर बुद्धि से कैसे जूझा जाये इस पर बात होती है।

मतलब ?

देख , अकेले-दुकेले जब बात करते हैं तब रोने-धोने और क्रूर बुद्धि के मूर्त रूपों से निकलने में टाइम लगता है। लेकिन 5-6,7-8 जुट जाते हैं तब बातचीत मूर्त रूप को छोड़ देती है और क्रूर बुद्धि को लगाम लगाने ,विफल करने ,परास्त करने के तौर-तरीके एक-दूसरे को बताते हैं और कुछ अनुभवों से सचेत व प्रेरित करते हैं।

वाह ! यह संवाद तो रोज हो रहे हैं।

मैडम , संवादों को याद कैसे रखें ? यह संवाद तो चारों तरफ हैं और आपकी बात से मुझे यह समझ आ रहा है कि इन संवादों में बुद्धियों की टक्कर है , एक मन्थन है। लेकिन यह संवाद क्षणिक भी हैं , अस्थाई हैं , बहुआयामी हैं।

तो आप मुझ से याद रखने के तरीके पूछ रहे हो? मेरी समझ जो बनी है वो यह है कि हम याद रखने के तरीकों में न उलझें। संवादों की अवधि , समय, मात्रा , तीव्रता का बढना और बारम्बार होना, लगातार होना से ये इधर से उधर फैलते हैं।

फिर उधर से इधर भी आयेंगे। इस में होने का आनन्द क्रूर बुद्धि के भार को गिराता है।

शरीर कहाँ समाप्त होता है और दुनिया कहाँ आरम्भ होती है के बचपन के रहस्य में आनन्द फिर से लें।

बहुत खूब।

1948 में संसद में जो न्यूनतम वेतन अधिनियम पारित किया था उसके अनुसार आज न्यूनतम वेतन 50-60 हजार रुपये महीना बनता है।

हरियाणा सरकार द्वारा 1 जनवरी 2017 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 8280 रुपये मासिक (8 घण्टे के 318 रुपये)
अर्ध-कुशल अ 8694 रुपये मासिक (8 घण्टे के 334 रुपये)
अर्ध-कुशल ब 9129 रुपये मासिक (8 घण्टे के 351 रुपये)
कुशल अ 9585 रुपये मासिक (8 घण्टे के 369 रुपये)
कुशल ब 10,065 रुपये मासिक (8 घण्टे के 387 रुपये)
उच्च कुशल श्रमिक 10,568 रुपये मासिक (8 घण्टे के 406 रुपये)

दिल्ली सरकार द्वारा 3 मार्च 2017 के नोटिफिकेशन अनुसार निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक 13,350 रुपये मासिक (8 घण्टे के 513 रुपये);
अर्ध-कुशल श्रमिक 14,698 रुपये मासिक (8 घण्टे के 565 रुपये);
कुशल श्रमिक 16,182 रुपये मासिक (8 घण्टे के 622 रुपये)।
दसवीं पास से कम स्टाफ 14,698 रुपये मासिक।
दसवीं पास लेकिन स्नातक से कम स्टाफ 16,182 रुपये मासिक।
स्नातक और अधिक स्टाफ 17,604 रुपये मासिक।

पिता–पुत्र संवाद

बातें 1969 में पूर्वी उत्तर प्रदेश की हैं। पिताजी कोलकाता में जूट मिल में कुछ साल काम कर चुके थे और गाँव में थोड़ी खेती तथा पुश्तैनी काम में कहारी आदि करते थे। गाँव में ट्युशन करते हुये नौकरी ढूँढ रहा था।

एक परिचित ने कहा कि नदी पार छपरा (बिहार) में होम्योपैथी कॉलेज से डॉक्टरी कर लो। मैंने यह बात पिताजी से कही। इस पर वे बोले कि डॉक्टरी नहीं करना क्योंकि डॉक्टर यह चाहते हैं कि लोग बीमार हों और हमारे पास आयें ताकि हम पैसे बनायें। डॉक्टरी का धन्धा बहुत खराब है।

फिर मैंने पिताजी को दूसरे सुझाव के बारे में बताया। बी टी सी में दाखिला ले कर मास्टरी की ट्रेनिंग करने की बात की। इस पर पिताजी बोले कि नहीं-नहीं, मास्टर नहीं बनना। परिवार में पाटीदार अपने चाचा को ही देख लो। उन्होंने मास्टर बनने के बाद अपने सगे भाईयों से जमीन में बेईमानी की है। मास्टर बेईमान बन जाते हैं इसलिये मास्टर नहीं बनना।

मैंने तीसरा सुझाव पिताजी के सामने रखा। दिन में कहीं काम करना और इवनिंग कॉलेज से वकालत की पढाई करना। इस पर पिताजी बोले कि वकील बनने की पढाई कभी मत करना क्योंकि लोगों के बीच के झगड़ों को वकील बढाते हैं। वकील गलत ढँग से पैसे कमाते हैं।

जिन्हें मैं गाँव में ट्युशन पढाता था उन में से एक फरीदाबाद जा कर एक फैक्ट्री में लग गया था। नवम्बर 1970 में मैं उसके साथ फरीदाबाद पहुँचा और फैक्ट्री मजदूर बन गया।

2 मार्च ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में:

(पेज तीन का शेष)

मजदूरों की तनखा 5000 रुपये और वाशिंग वालों की 7000-9000 रुपये की बात की तो नये ग्रेड पर चर्चा बढी। एक ने कहा कि चुनाव के समय नेता से कच्छा उतारवा लो। बातें रोचक होने लगी थी तब एक हँस कर बोला कि यूनियन लीडर आ रहा है, अब चलो। जहाँ दस वरकर बात करते दिखे, नेता पहुँच जाते हैं। थोड़ी देर बाद ***ए के क्रियेशन्स*** (सी-58/4 फेज-2) के मजदूरों ने कहा : हैल्परों की तनखा 5500 रुपये है और कारीगरों में कुछ पीस रेट पर हैं, कुछ दिहाड़ी पर। जनवरी की तनखा 27-28 फरवरी को जा कर दी है, नकद में दी है। ई एस आई तथा पी एफ 100 मजदूरों में एक-दो के ही हैं। महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम के, भुगतान सिंगल रेट से। सी-22, सी-23 फेज-2 में ***पैरामाउन्ट*** का माल तैयार करते फैब्रिकेटर के 90 टेलरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, 8 घण्टे के 350 रुपये।

कुछ इमेल पते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा	< cm@hry.nic.in>
श्रम आयुक्त, हरियाणा	< labour@hry.nic.in>
मुख्य मन्त्री, दिल्ली	< cmdelhi@nic.in>
श्रम विभाग दिल्ली	< labjlc2.delhi@nic.in >
ई एस आई महानिदेशक	< dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त	< cpfc@epfindia.gov.in >
चीफ विजिलैन्स पी एफ	< cvo@epfindia.gov.in >

साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— बुधवार, 30 मार्च को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास मंगलवार, 29 मार्च को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— वीरवार, 31 मार्च को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में मार्च में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर सेंटर रूल्स 1956 के अनुसार स्वामित्व व अन्य विवरण का ब्यौरा फार्म नं. 4 (रूल नं. 8)

फरीदाबाद मजदूर समाचार

1. प्रकाशन का स्थान — मजदूर लाइब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, फरीदाबाद—121001
2. प्रकाशन अवधि — मासिक
3. मुद्रक का नाम — शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
4. प्रकाशक का नाम — शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
5. संपादक का नाम — शेर सिंह (क्या भारत का नागरिक है? हाँ)
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों। केवल शेर सिंह

मैं, शेर सिंह, एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनाँक 1 मार्च 2017 — हस्ताक्षर शेर सिंह प्रकाशक

1 मार्च आई एम टी मानेसर में : .... (पेज चार का शेष)

लीडर अब कुछ बताते भी नहीं। अरे नेताओं के चक्कर बुरे हैं कहने लगा ***ब्रिजस्टोन इंडिया ऑटोमोटिव प्रोडक्ट्स*** (11 सैक्टर-3) से निकाला मजदूर, दो साल से तारीख पड़ रही हैं। ***डब्लू एस पी एल-वाही सन्स*** (11 सैक्टर-5) के पाँच-छह वरकर कहने लगे : सुबह 8 से रात 9 की शिफ्ट में मारुति के पार्ट्स बनते हैं, 70 पावर प्रैस से प्रोडक्शन के चक्कर में सैन्सर हटा दिये हैं, एक साल में 14-15 के हाथ कटे हैं, पावर प्रैस टेम्परेरी ऑपरेटरों को ओवर टाइम मात्र 24 रुपये प्रति घण्टा के हिसाब से देते हैं और साहब अहसान जताते हैं कि तीन टाइम खाना देते हैं — सुबह दो रोटी-दाल, दोपहर एक प्लेट भोजन, रात 9 बजे दाल-रोटी। हम 70 टेम्परेरी वरकरों ने 27 फरवरी को ओवर टाइम पर रुकने से इनकार किया। कल सुबह हम फैक्ट्री में गये ही नहीं, पाँच घण्टे गेट के बाहर बैठे रहे। परमानेन्ट वरकर काम कर रहे हैं पर टेम्परेरी के काम बन्द करने से बहुत असर पड़ा है। आज देखते हैं कम्पनी क्या कहती है..... ***जय उशिन*** (4 सैक्टर-3) वरकर ने हौसला बढाते हुये कहा कि 800 लड़की और हम 300 लड़के 12 रोज दिन-रात फैक्ट्री के बाहर सड़क पर बैठे तब कम्पनी झुकी थी। ***कृष्णा ग्रुपो एन्टोलिन*** (47 सैक्टर-3), ***एसवी प्रिसीजन कम्पोनेन्ट्स*** (22 सैक्टर-3), ***ओरियन्ट क्राफ्ट*** (15 सैक्टर-5) के मजदूर कहने-सुनने लगे। ओरियन्ट क्राफ्ट में सुबह 9 वाले रात एक, सुबह चार बजे तक काम करते हैं और फिनिशिंग-पैकिंग-कटिंग में अब दूसरी शिफ्ट भी है, रात 8 से सुबह 7 बजे की। पिछले वर्ष फुडिंग के 80 रुपये और चाय-बिस्कुट देते थे पर अब नहीं दे रहे। ओवर टाइम की पेमेन्ट दुगुनी दर से है पर साप्ताहिक अवकाश के दिन, रविवार को सिंगल रेट से और सण्डे को ड्युटी पर नहीं गये तो गेट रोकने की बात। रात की ड्युटी कर आये ***मेगा मैटल*** (45, 47, 51 सैक्टर-5) के वरकर अपनी कहने लगे : स्टाफ के लोग ही परमानेन्ट हैं, सब मजदूर टेम्परेरी हैं, 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और हर रविवार को भी ड्युटी। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और जनवरी के यह पैसे 27 फरवरी को जा कर देने शुरू किये, आज (1 मार्च) तक सब वरकरों को दिये नहीं हैं। अटेन्डेन्स अलाउन्स 500 रुपये है और एक छुट्टी पर खत्म। रात ड्युटी करके आया ***एच एम एस सेक्युरिटी*** (सैक्टर-7) गार्ड कहने लगा कि 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं, साप्ताहिक अवकाश नहीं है, ई एस आई तथा पी एफ काट कर तीस दिन के 8000-9000 रुपये देते हैं जो कि तनखा के तौर पर चार हजार रुपये हुये, और कम्पनियाँ सोचती हैं कि गार्ड उनकी रक्षा करेंगे। ***खजाना टॉयज*** (131 सैक्टर-5) और ***सुपरफाइन कम्पोनेन्ट्स*** (118 सैक्टर-5) मजदूर सुनने-कहने लगे। सुपरफाइन फैक्ट्री में स्टाफ और 2-3 मजदूर परमानेन्ट हैं, 400 टेम्परेरी वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में होण्डा दुपहियों के पार्ट्स और कार साइलैन्सर बनाते हैं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से, कैन्टीन नहीं है, मात्र एक कप चाय 12 घण्टे में, तनखा से ई एस आई तथा पी एफ राशि काटते हैं पर मजदूरों को ई एस आई कार्ड नहीं और छोड़ने पर फण्ड के पैसे नहीं। एक वरकर ने केन्द्र सरकार की बात करते हुये ***मिलिट्री नर्सरी*** (एन एच 8 रोड़ पर, मानेसर) के बारे में बताया : 170 महिला काम करती हैं, पर्ची दी है और पी एफ के 1100 रुपये काटते हैं, प्रतिदिन काम के 250 रुपये देते हैं और ज्ञान देते हैं : कोई पूछे तो कहना 350 रुपये देते हैं। जनरल शिफ्ट है कह कर ***विनय कारपोरेशन*** (42 सैक्टर-3) के मजदूर बताने लगे : 30-35 परमानेन्ट वरकर, 30-32 कैजुअल वरकर, और पाँच-छह ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे 800 मजदूर जे एन एस, प्रीकॉल, मिण्डा फैक्ट्रियों के लिये वायर बनाते हैं। महीने में 80-100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम तनखा, हैल्पर की 7600 रुपये और ऑपरेटर की 8000-8200 रुपये। रात की 12 घण्टे की शिफ्ट से लौटे ***नर्मदा पोलीमर्स*** (17-18 और 189 सैक्टर-4) वरकर : फैक्ट्रियों में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं, महीने के तीसों दिन, नामी कम्पनियों के जूतों के सोल बनते हैं। रोज के 4 घण्टे ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और रविवार के दुगुनी दर से। तनखा बहुत कम है, हैल्पर की 6300 रुपये और ऑपरेटर की 6500 रुपये, बहुत वरकर ई एस आई तथा पी एफ कटवाते नहीं हैं। ***हाई टेक गियर*** (169 सैक्टर-7) फैक्ट्री छोड़ चुके एक मजदूर ने कहा : 4 साल बिना ई एस आई तथा पी एफ काम किया फिर 2015 में यह लागू। आठ महीने बाद नौकरी छोड़ पी एफ फार्म कम्पनी में दिया, कहीं खो गया कहने पर फिर फार्म दिया, साल हो गया और फण्ड के पैसे निकालने का फार्म नहीं भरते। मना नहीं करते, कल, फिर कल करते रहते हैं। यहाँ कम आयु की लड़कियाँ भी हैं और उनकी 10½ घण्टे की ड्युटी है। लड़कों की 12 घण्टे की ड्युटी है और महीने में 8 नाइट लग जाती हैं — नाइट लगने का मतलब है 36 घण्टे लगातार काम। हैल्पर की तनखा 6000-6500 रुपये, बैंक में भेजते हैं, ओवर टाइम के पैसे मिला कर न्यूनतम वेतन की खानापूर्ति करते हैं। सुबह 9½ से रात 8 की ड्युटी वाले ***कबीर लैदर*** (17 सैक्टर-6) के वरकरों ने कहा कि 150 टेम्परेरी वरकरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं, 32 परमानेन्ट मजदूरों की ही हैं। रविवार को भी फैक्ट्री में काम होता है, महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। एक दिन छुट्टी करने पर नौकरी से निकाले गये ***सेबरोस ऑटोमोटिव*** (191 सैक्टर-4) मजदूर ने हिसाब लगाया और 9 दिन किये काम के 2500 रुपये बने पर बैंक खाते में 1400 ही भेजे गये। वरकर ने एच आर वालों से पूछा तो वो बोले कि ठेकेदार से बात करो। सेबरोस फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से देते हैं। रात की 12 घण्टे की शिफ्ट में ड्युटी कर आये ***कल्याणी टैक्नोफोर्ज*** (103 सैक्टर-8) के मजदूरों ने काफी देर बातें की। बैंक अकाउन्ट खुलवाने के लिये ए टी एम और पास बुक के 300 रुपये माँग रहे थे, वरकरों ने मना कर दिया, ठेकेदार ने एक मजदूर से मारपीट की तो वरकरों ने ठेकेदार को घेर लिया, कम्पनी ने ठेकेदार को पार्सल किया, गाड़ी से भगा कर बचाया। फोटो ले कर मजदूरों ने व्हाट्सएप पर डाल दिया। स्टाफ के लोग और दो-चार मजदूर परमानेन्ट हैं, 100 वरकर दो ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं। रीज्वाइनिंग करते रहते हैं, मजदूर का नाम एक ठेकेदार कम्पनी के खाते से दूसरी ठेकेदार कम्पनी के खाते में डालते रहते हैं। फण्ड निकालने का फार्म ब्रेक के 45 दिन बाद भरना चाहिये पर जनरल मैनेजर बोला कि 3 महीने बाद फार्म भरने का नियम है। मजदूर के खाते में फण्ड के 5-6-8000 रुपये कम आते हैं, पी एफ कार्यालय से पैसे नहीं आते, मैसेज नहीं आते, पैसे शायद कम्पनी खुद ही भेजती है। ई एस आई कार्ड जिनके तीन साल हो गये हैं उनके ही हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की हैं और ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। लेबर डिपार्ट से कल, 28 फरवरी को फिर आये थे — पैसे ले कर चले जाते हैं। सुबह 9½ छूटे ***गांधी स्प्रिंग*** (154 सैक्टर-7) के मजदूर बोले कि फैक्ट्री में 150 वरकर हैं, सब टेम्परेरी हैं, ई एस आई तथा पी एफ तीन-चार की हैं। शिफ्टें सुबह 9 से रात 8½ और रात 8 से अगली सुबह 9½ की हैं। ओवर टाइम 25 से 35 रुपये प्रतिघण्टा। हैल्पर की तनखा 6000 रुपये और ऑपरेटर की 8000-8500 रुपये। अब तक कैश देते थे, फरवरी की बैंक खाते में भेजने की बातें।

2 मार्च ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में :

पीने का पानी खराब था, मजदूर बीमार पड़ते, घर से पानी ले कर फैक्ट्री जाते थे और यह बात फैल कर चर्चा में आई तो कम्पनी ने पानी ठीक करवा दिया कहते हुये ***पुनियानी इन्टरनेशनल*** (बी-114 फेज-1) वरकर ने बताया कि लैदर की जैकेट समेत बहुत-कुछ बनाते 1000 मजदूरों में 300 की ही ई एस आई तथा पी एफ हैं। इन 300 की तनखा बैंक खातों में और 700 अन्य वरकरों को कैश देते हैं। रोज सुबह 9 से रात 9 की ड्युटी है और रात पौने एक तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से और सब को नकद देते हैं। ई एस आई तथा पी एफ के बारे में ***फैशन टेक गारमेन्ट्स*** (ए-32 फेज-1) के मजदूर बोले कि 150 प्रोडक्शन टेलरों की यह नहीं हैं, सैम्पलिंग टेलरों और परमानेन्ट हैल्परों की ही ई एस आई व पी एफ हैं। ***एस एम एस एक्सपोर्ट*** (फेज-2) में ई एस आई तथा पी एफ 300 से कम वरकरों की ही हैं, 700 मजदूरों की नहीं हैं। यहाँ 200 महिला

(शेष पेज दो पर)

कई बातें कईयों में बातचीतों में

दिल्ली में ओखला औद्योगिक क्षेत्र हो , चाहे गुड़गाँव में उद्योग विहार , या आई एम टी मानेसर , या फिर फरीदाबाद हो , बातचीत में कई फैक्ट्रियों के मजदूर शामिल हो जाते हैं और अनेक प्रकार की बातें होती हैं । लेकिन मजदूर समाचार में हम आमतौर पर फैक्ट्री-विशेष के आधार पर विवरण देते रहे हैं । ओखला में फरवरी 2013 और उद्योग विहार में फरवरी 2015 में हुई व्यापक बातचीत की झलक हम अवश्य दे पाये थे ।

अकेले-दुकेले में भी , रोने-धोने में भी बातें जारी रहने पर कई तरह की चर्चा और कई जगह के उदाहरण बातों में आते हैं । व्यापकता प्रत्येक में है । एकमेव और एकमय के इस दौर में , in this era of unique and together , सात अरब मनुष्य तो प्रस्थान-बिन्दू हैं । पृथ्वी पर और अन्तरिक्ष में जीव तथा निर्जीव के तौर पर परिभाषित सब एक-दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े हैं । प्रत्येक का अस्तित्व दाव पर लग जाना एक बात है । अधिक महत्वपूर्ण है उत्सव , मनुष्य जीवन में आनन्द ।

कईयों के बातचीत में शामिल होने पर जो खुशी , प्रसन्नता , आनन्द और जानकारियाँ एवं प्रेरणायें मिलती हैं उन्हें हम यहाँ प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं ।

28 फरवरी को उद्योग विहार, गुड़गाँव में :

नवशिखा पोलीपैक (194 फेज-1) मजदूर न्यूनतम वेतन और तनखा टाइम पर कह कर सब ठीक है कह रहा था तो कुछ वरकर "तनखा नहीं बढवाते" का उलाहना देते निकल रहे थे जब ***जय स्विच*** (407 फेज-3) के मजदूर बात करने लगे । जय स्विच फैक्ट्री में 27 फरवरी को साँय 4 बजे कोई अधिकारी पहुँचा तब हैल्परों को छिपा दिया और स्टाफवाले ऑपरेटरों से अनुरोध करने लगे : कहना 8 घण्टे की ड्युटी है ; बोलना 2 से 10 बजे की शिफ्ट में हैं । जबकि 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं , ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से और नकद देते हैं , हैल्परों को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम तनखा । बहुत डरती है मैनेजमेन्ट ! ***मेम्ब्रेन इण्डिया*** (265 फेज-1 और 347 फेज-2) वरकर बातचीत में शामिल हुआ और बोला कि पानी शुद्ध करने की मशीनें बनाने वाले मजदूर महीने में 100 घण्टे ओवर टाइम करते हैं । और हैल्परों की तो ई एस आई नहीं , पी एफ नहीं , तनखा हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम, 6500 रुपये । ***कैलाश रिबन*** (403 फेज-3) मजदूर बोल पड़े कि फैक्ट्री में पीने का पानी साफ करने की मशीन डेढ महीने से खराब है और.... ***एस आई एस सेक्युरिटी*** (मुख्यालय पटना) गार्ड ने कहा कि 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं , तीसों दिन , ई एस आई तथा पी एफ काट कर ड्युटी साइट अनुसार 12-13-13,500 रुपये बैंक खातों में भेजते हैं और ओवर टाइम दिखाते ही नहीं । इक्की-दुक्की साइट पर ही 8 घण्टे की ड्युटी और साप्ताहिक अवकाश है । तभी ***कोका कोला/एनरिच एग्रो*** (276-277 फेज-2) वरकर कुछ कह कर चल पड़ा । ***मोडलामा एक्सपोर्ट*** (105 ,106, 200 , 201 , 204 फेज-1) मजदूरों का एक समूह कई बातें करने लगा : जनवरी में 160-200 घण्टे ओवर टाइम, दो घण्टे प्रतिदिन ओवर टाइम का भुगतान डबल रेट से और बाकी घण्टों का सिंगल रेट से , 17 फरवरी को ओवर टाइम का कुछ पैसा ही अकाउन्ट में भेजा । मजदूरों ने हँगामा किया और 19, 20 ,21 फरवरी को सब फैक्ट्रियों में दस हजार वरकरों ने काम बन्द रखा । तभी ***यूनिक कलेक्शन*** (29-30 फेज-4) फैक्ट्रियों में काम करते वरकर बोले : 2500 मजदूरों को ओवर टाइम डबल रेट से और यहाँ 11 फरवरी को 75 मजदूरों ने गेट पर हँगामा किया । कारण ? सितम्बर और अक्टूबर 2016 में जिन्होंने नौकरी छोड़ी उन्हें 15-20 दिन किये काम के पैसे यह कह कर नहीं दे रहे थे कि रिकार्ड नहीं है । नवम्बर-दिसम्बर में जिन्होंने नौकरी छोड़ी उन्हें किये काम के पैसों के लिये तारीख देते रहते हैं । हँगामा करने पर मैनेजिंग डायरेक्टर ने गेट पर आ कर कहा था कि सब के पैसे 18 फरवरी को देंगे । डेढ सौ वरकरों को 18 फरवरी को मैनेजमेन्ट बोली कि 25 को पैसे देंगे । और 25 फरवरी को बोले हैं 25 मार्च....... ***मोडलामा फैक्ट्रियों*** का दूसरा समूह बातें करने लगा : हर वरकर के ओवर टाइम में से 2000 रुपये काट लिये थे , 3500-4000 मजदूर हैं , एक दिन सुबह लन्च तक काम बन्द किया और फिर साँय 5½ छुट्टी कर ली (ओवर टाइम नहीं किया), दूसरे दिन दोपहर डेढ से 5½ तक काम बन्द किया , तीसरे दिन लन्च के बाद 3-4 घण्टे बन्द किया तब साहब बोले थे कि 26 फरवरी को सब पैसे दे देंगे । लेकिन नहीं दिये और आज 28 की कही है....... तभी ***गौरव इन्टरनेशनल*** (411 फेज-3) का वरकर ऋचा-गौरव समूह की फैक्ट्रियों में पी एफ घोटाले की बात करने लगा : सब मजदूरों का फण्ड हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम पर काटा जाता है , 6500 रुपये पर ही पी एफ राशि जमा की जा रही है । ***साची एक्सपोर्ट*** (458 फेज-3) फैक्ट्री छोड़ चुका वरकर बोलने लगा: ई एस आई तथा पी एफ स्टाफ की ही , 250 मजदूरों की नहीं , वरकर काम बन्द करते हैं तब तनखा देते हैं , 27-28 तारीख तक , मजदूर टिकते नहीं पर छोड़ने वालों के 20-25 दिन किये काम के पैसे फँस जाते हैं ..... ***वशिष्ठ फार्मास्युटिकल*** (173 फेज-1) कम्पनी का नाम लेने की बजाय दवाई फैक्ट्री कह कर एक मजदूर शुरू हो गया : रोज 11½ घण्टे की ड्युटी है , ओवर टाइम सिंगल रेट से , 60 में ई एस आई तथा पी एफ 4-5 के , अधिकारी आते हैं तब मजदूरों को छत पर छिपा देते हैं........ तब मई 2012 से बन्द ***ईस्टर्न मेडिकिट*** की पाँच फैक्ट्रियों के 1100 परमानेन्ट मजदूरों में से एक वरकर पाँच साल से नियम-कानून में तारीख-दर-तारीख चल रही हैं की बातें करने लगा । तभी ***स्पार्क एक्सपोर्ट*** (166 फेज-1) वरकर नियम-कानून से परे तारीखें बताने लगा । सितम्बर 2015 में गाँव गया था और लौटने पर रखा नहीं । एक महीने किये काम के पैसों के लिये तब आना , तब आना कह कर बुलाते रहे और 6-7 चक्कर कटवाने के बाद 16 दिसम्बर 2016 को बोले कि ज्यादा दिन हो गये , अब पैसे नहीं मिलेंगे .... ***टेकनोवा*** (335 फेज-5) का वरकर बोला कि कहते हैं 6 महीने का पी एफ नहीं मिलेगा । अरे नहीं , एक महीने का भी फण्ड ले सकते हैं ..... ***मोडलामा*** फैक्ट्रियों के फिनिशिंग वरकरों ने कहा कि ओवर टाइम के 1500-3000 रुपये काटने के खिलाफ टेलरों ने काम बन्द किया था । फिनिशिंग वरकरों ने एक-दो घण्टे ही काम रोका ।

1 मार्च आई एम टी मानेसर में :

होराइजन इन्डस्ट्रीयल (45 सैक्टर-4) फैक्ट्री छोड़ चुका मजदूर बोला कि सितम्बर तथा अक्टूबर की तनखायें अब तक नहीं दी हैं । बैंक अकाउन्ट नम्बर ले लिये थे और बोले थे कि पैसे भेज दिये हैं पर नहीं भेजे । फोन पर कह देते भेज दिये हैं । छुट्टी करके गया तब 20 फरवरी को एच आर वाले बोले कि पैसे ठेकेदार देगा । अरे बहुत हेराफेरी है यह कहते हुये ***एन एच के स्प्रिंग्स*** (31 सैक्टर-3) के वरकर अपनी कहने लगे : नौकरी छोड़ने पर पी एफ के पैसे मजदूर को नहीं मिलते ; फार्म भर देते हैं पर 2-3 बार रिजैक्ट हो जाता है ; पैसे किसी को मिल जाते हैं और किसी को नहीं मिलते । ***होण्डा टपुकड़ा*** से निकाला , ***इण्डो ऑटोटेक*** (132 सैक्टर-8), ***ओमैक्स ऑटो*** (6 सैक्टर-3) वरकर बातचीत में शामिल हो गये । एक्सीडेन्ट में उँगली कटी, ई एस आई अस्पताल में इलाज , 6 दिन किये काम के पैसे इण्डो ऑटोटेक कम्पनी ने नहीं दिये और बोले कि उपचार में खर्च कर दिये । ओमैक्स कम्पनी कहती है कि घाटे में है । साल हो गया फैक्ट्री से बाहर हुये और होण्डा टपुकड़ा यूनियन **(शेष पेज तीन पर)**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।

RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17

सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।